राग - देशकार

थाट - बिलावल
समय - दिन का प्रथम प्रहर
वादी - पंचम
संवादी - षड्ज
वर्जित - म, नी
जाति - ओडव / ओडव
प्रकृति - शांत, कभी-कभी चंचल

आरोह - सा रे ग प ध, ग प, ग प ध सां
अवरोह :- सां ध सां ध प ग प, ग प ध प ग ऽ रे सा रे ध ऽ सा
पकड़ - ध ध प ग प ग रे सा

विशेष विवरण :→ कुछ कलाकार इस राग में वादी - धैवत एवं संवादी - गंधार मानते है। इस राग में गांधार पर बिलकुल न्यास नही किया जाता है, अगर ऐसा किया तो तुरंत ही भूपाली की छाया दिखने लगते है। भूपाली राग के आलाप बहुत ही शांत और गंभीर रखने पडते है। देशकार को भूपाली से बचा कर गाना पडता है। जिससे आलाप की गति मध्य रखनी पडती है। और गांधार स्वर गाकर तुरंत रिषभ लेना पडता है। जैसे ग ऽ रे सा सा रे ध सा इस प्रकार गांधार का महत्व कर करके और रिषभ का अल्पत्व बताकर पूरा किया जाता है। यह राग उत्तरांग में ही आलाप करने से अधिक स्पष्ट होता है। यह एक अंतरांग प्रधान राग है, जबकि भूपाली पूर्वांग प्रधान राग है। पंचम पर सामान्यत: सा रे ग प इस प्रकार जाते है। उत्तरांग में आलाप - ग प ध ध सां प ध ग प ध प ग प सां प ध ग प ग प ध ग प ग सा इस प्रकार उत्तरांग में आलाप करने की प्रक्रिया द्रुतगति में छोटे-छोटे टुकडे लेकर किया जाता है। इस राग की गायकी विभास राग के सानुकूल है, बस विभास में रे और ध कोमल है। विभास भैरव थाट का राग है, इसमें सभी स्वर शुद्ध है, इसलिये यह बिलावल थाट का राग है। इस राग में बडा ख्याल बहुत ही कम गाया जाता है, लेकिन ध्रुपद, धमार तराने गाये जाते है।

स्वर - विस्तार :- ① सा ऽऽ रे -- ध़ -- ध़ -- सा -- सा -- ध़
सा -- रे --- सारे --- ध़ --- प ध़ सा ---

② ध़ -- सा रे --- सारे --- ध़ -- सा -- सारे ग ध़ सा रे ग ---
प ---- ग --- सा रे -- ध़ सा ---।

③ सारेगप ध - सां सां ध सां ध सां प ध ऽऽ गप ऽऽ
ग प ध सां ध सां प --- ध गपधसां --- धपगप
गप सां --- ध सां ध ऽ ऽ प ऽऽ धधपधधपगगपधप गरे
सा रे --- ध़ सा ऽऽ।

सरगम गीत

ताल - त्रिताल

ग रे सा सा	प - ध प	प ग प ध	प ध प प
प ग प ध	सां - ध प	ग प ध प	ग रे सा -
3	×	2	0
	अंतरा		
प ग प ध	सां - रें सां	सां ध सां रें	सां रें सां ध
गं रें सां रें	सां सां ध प	ग प ध प	ग रे सा -
3	×	2	0

छोटा ख्याल

देशकार

ताल - त्रिताल

स्थाई - तुम पर वारि कृष्ण मुरारी,
इतनी हमारी सुनो बनवारी।

अंतरा :- लेकर चीर कदम पर बैठे,
हम जल मां ज उगारी।

स्थाई

			सां
		प	तु
सां ध सां - सां	ध - - प	ग - पध प	ग - सा सा
म प - र	व - - री	कृ - ष्ण मु	रा - री इ
सा सा		प	
ध ध सा ध	सा - सा प	ग प ध ध	ग - सा ग
त नी - ह	मा - री सु	नो - ब न	वा - री ले
3	x	2	0

अंतरा

प ध सां ध	सां - सां सां	ध ध सां रें	सां रें सांध गं
- क - र	ची - र क	द म प र	बै - ठे ह
रें सां - रें	सां - ध प	पध सांसां धप गरे	सां सां - सां
म ज - ल	मां - ज उ	गा - ◡ ◡ ◡	- री - तु
3	x	2	0

ध्रुपद - देशकार ताल - चौताल

स्थाई :- जागीयो गोपाल लाल, प्रकट भयो अंशुमाल
मिट्यो अंधकार उठो, जननी सुख पाई।

अंतरा :- मुकुलित भयो कमलजाल, कुमुद बिंदाबन बेहल,
त्रिविध ताप मिट्यो जंजाल, तनन माई।

			सा ध	ध ध	सां (प) ध
			जा -	गी यो	- गो
सां - -	सां (सां) - ध	- पा	प ग	प प	प ध
पा -	ल ला	- ल	प्र क	ट भ	यो -
प ग	प ग	रे सा	सा ध	- सा	- रे
अं -	शु मा	- ल	मि ट्यो	- अं	- ध
ग प	प ध	- ध	गं रें	सां -	सां प ध
का -	र उ	- ठो	ज न	नी -	सु - ख
सां ध	प ग	रे सा			
पा -	- -	- ई			
x	0	2	0	3	4
		अंतरा			
प ग	प प	ध प	सां (ध) सां	सां सां	- सां
मु कु	लि त	भ ये	क म	ल जा	- ल
सां सां ध	सां सां	सां रें	सां रें	सां (सां) ध	- प
कु मु -	द बि	न्दा -	ब न	बे हा	- ल
प ध	ग प	ध (प) ध	सां रें	सां (सां) ध	- प
त्रि वि	ध ता	- प	मि ट्यो	जं जा	- ल
ध प	(प) ग प ग	रे सा	सा ध	ध ध	सां ध
त न	न - सा	- ई	जा -	गि यो	- गो
x	0	2	0	3	4

छोटा ख्याल

राग - देशकार ताल - झपताल

स्थाई - चिड़ियाँ करत गान भयो प्रात मोहन
उठो देहो दरशन आवत पुरजन।

अंतरा - ग्वालन गौअन, संग जैहो बन - बन
बंसी कमरी तोरी, कर लकरी भूलन

ध प चि ड़ि	ध - प याँ - क	धसां रेंसां र्- त्-	ध ध प गा - न
ग प भ यो	गप ध प प्रा - त	ग - मो -	सा - सा ह - न
सा ध़ उ ठ	सा - सा दे - हो	सा रे द र	ध़ सा सा श - न
प ध आ व	ग प प व - त	धसां रेंसां पुं - र्	धसां धप गप ज् - - न्
	अंतरा →		
ग - ग्वा -	प - ध ल - न	सां ध गौं -	सां - सां अ - न
सां ध सं ग	सां - रें जैं - हो	सांरें गंरें ब् न्	सां ध प ब - न
ग - ब -	प - प सी - क	ध प म री	धसां धसां धप तो - - री
ग प क र	ध सां सां ल क री	धसां रेंसां भु - -	धसां धप गप ल - - न्
X	2	0	3